

वर्तः कृशः MBu. 1, 3471. कस्य पत्रायाः कायान्मोसमुत्कृत्य संगतम् R. 3, 25, 7. — 3) *abscheiden, sterben* (?): तदेव संगच्छते तदेव प्रियते LĀTJ. 8, 8, 5. — 4) *zusammenpassen, zutreffen, entsprechen*: अस्मिन्वाक्ये (तच्चम्) नीलमुत्पलमिति वाक्यवद्वाक्यार्थो न संगच्छते VEDĀNTAS. 53. 56. सर्व संगतमेवैतत् KATHĀS. 2, 67. AK. 1, 2, 3, 43. वरुसंगतं वचः R. 2, 95, 19. संगत (von einer Rede) = हृदयंगम AK. 1, 1, 5, 19. H. 268. — 5) *trans. act. gehen zu, besuchen*: ग्रामं संगच्छत P. 1, 3, 29, Sch. VOP. 23, 14. *beschaffen*: संगच्छ पौलि स्त्रीणां मां युवानम् BHATT. 3, 91. — 6) *trans. med. in einen Zustand, ein Verhältniss eingehen*: किं विरु वा एके न मनसो ऽह्वा विश्रम्भमनवस्थानस्य शठकिरात इव संगच्छते *Vertrauen fassen, haben* BHĠG. P. 5, 6, 2. — *caus.* 1) *zusammenbringen; verbinden mit; theilhaftig machen* (mit instr. der Person, acc. der Sache): इदमिदमेवास्यं ब्रूयं भवति तेनैवं सं गमयति AV. 9, 3, 24. वीरुद्वा विश्वतोर्वीर्या येमेन समंजीगमत् 6, 32, 2. सं वो ऽयं ब्रह्मणस्पतिर्भूः सं वो अजीगमत् 74, 1. तं मात्रा समंजीगमत् VS. 8, 29. ÇAT. Br. 4, 3, 2, 10. सं मा कामेन गमय ÇĀKH. ÇR. 4, 12, 15. — वधूवैरा संगमया चकार RAGH. 7, 17. या ताम् — धनमित्रेण संगमितवती DAÇAK. 84, 10. प्रियया तेनास्मि — संगमितः VIKR. 143. आयुधं ज्यया संगमय्य RAGH. 11, 77. — 2) *hinführen zu, mit zwei acc.*: संगमयति विद्यैव नीचगापि नरं सरित् । समुद्रमिव दुर्धर्षं नृपम् Hit. Pr. 3. — 3) *auf Jmd (loc.)* *etwas übergehen lassen, übergeben, darbringen*: विभीषणो संगमय्य श्रियं वैरिणः RAGH. 12, 104. कृत्वा चाङ्गारको वक्रं श्रेष्ठायां मधुमूदन । अनुराधां प्रार्थयते मैत्रं संगमयन्निव ॥ MBu. 3, 4341. — *desid.* संगिगमिष्यते P. 7, 2, 58, VĀRTT. 2, Sch.

— *अभिगमम्* *zusammen herbeikommen zu* (acc.): रत्तांसि च पिशाचाश्च विनेदुरभिगमताः MBu. 7, 9410. अभि लिपः समं गत मूर्जयतीतिरिप्यसतिम् RV. 9, 14, 7. शार्प्या देवा अभिसंगन्त्यं भागम् AV. 14, 1, 16. ते निप्रमसिंसं गम्य वृषया वृषपर्षभम् R. 4, 1, 9. *mit Jmd zusammenkommen*: श्रियमिच्छाभिः संगम्य प्रवत्स्यति सुखं वने R. 2, 36, 8. *zusammen bewillkommen*: अभिसंगम्य विधिवत्परिषद्भाभिवादनैः । मुमुचुः प्रेमवाशौघम् BHĠG. P. 1, 13, 5.

— *उपसम्* 1) *zusammen herbeikommen zu; sich verbinden; hinzutreten zu*: सर्वा ह वै देवताः प्रशुमालभ्यमानमुपसंगच्छते ÇAT. Br. 3, 8, 3, 14. 2. 3, 2, 3. 12, 7, 1, 10. ब्राह्मणं ब्राह्मणं चैव मिथुनायोगसंगतौ MBu. 1, 6897. आचार्यमुपसंगम्य राजा वचनमब्रवीत् BHĠG. P. 1, 11, 22. 3, 14, 32. — 2) *in einen Zustand, ein Verhältniss treten*: समतानुपसंगम्य भूतं कन्यति कृति वा MBu. 13, 5697.

— *सह Jmd (acc.) auf seinem Gange begleiten*: सहगच्छति गच्छन्ति निष्ठति च मयि स्थिते R. 4, 8, 26.

2. गम् = तम् *Erde*, nur in der Form गम्भन् (gen. abl.): दिवश्च गम्भं रात्रिम् RV. 1, 23, 20. 37, 6. 5, 38, 3. 10, 22, 6. 49, 2. NAIGH. 1, 1 führt den nom. गमा auf.

गम (von 1. गम्) 1) *adj. f. आ gehend am Ende von comp.*; s. अरंगम, काम, ख, तिर्यंगम, तुरं, हरं, देवं, पुरं, मनुं, युधिं, वशं, विस्मयं, समितिं, सागरं, हृदयं. — 2) *m. a) Gang* KAURAP. 44. अश्वस्यैकाङ्गमः P. 5, 2, 19. *Marsch, Aufbruch eines Heeres* AK. 2, 8, 2, 63. अगम *unzugänglich*: तीर्थानि MBu. 3, 8247. — *b) der Gang zu einer Frau, das Beirohnen*: गुर्वङ्गनागमः M. 11, 54. प्रव्रजिता JĠG. 2, 293. — *c) Weg*

H. an. 2, 320. MED. m. 10. — *d) Flüchtigkeit, Unüberlegtheit* MED. Vgl. गमकारिव. — *e) eine Art Würfelspiel, = द्यूतभेद* H. an. = अतविवन MED. — *f) eine gleiche Lesart* (?), = सदृक्पाठ H. an. *reading lightly, hasty or careless persual, running over a book, etc.* WILS. — Vgl. दुर्गम.

गमक (vom caus. von 1. गम्) *adj. zur Uebersetzung führend*: हेतुः ein Grund mit zwingender Beweiskraft MÜLLER in Z. d. d. m. G. 7, 294. *zeugend von* (gen.): यत्प्राष्ठमुदात्ता च वचसा यच्चार्थतो गौरवं तस्मैदमि ततस्तदेव गमकं पाण्डित्यवैदग्ध्ययोः MĀLAT. 3. ult. Davon nom. abstr. गमकत्वं n. und गमकता f. *zwingende Beweiskraft* DĀJABH. 363, 1, 17, 19.

गमकारिव (n. abstr. von गम + कारिन्) n. *Flüchtigkeit* TRIK. 3, 2, 18. — vgl. गम 2, d.

गमैश्च (von 1. गम्) m. 1) *Reisender*. — 2) *Weg* UṆ. 3, 112.

गमन (wie eben) n. 1) *das Gehen; Art zu gehen; Fortgehen; Gehen zu, in, nach* KĀTJ. ÇR. 19, 3, 11. आग्नेयगमन 10, 2, 19. अतरा 25, 4, 17. अश्वस्य H. 1249. गमनाय मतिं दधुः R. 1, 9, 40, 55. Hip. 1, 23. अलसगमना MEGH. 80. गतेन्द्रमन्दगमना ÇRĠGĀBAT. 7. त्वरितो गमने N. 20, 20. अनुमत-गमना ÇĀK. 83. अन्यत्र गमनात्सुकाः R. 3, 1, 27. धर्मेण गमनमूर्धं गमनमध-स्ताद्वत्तयधर्मेण SĀMKEJAK. 44. श्रम्यमूकस्य गमनम् nach Rshj. R. 1, 3, 22. 5, 53, 2. गमनायोपचक्राम दिशो वरुणायालिताम् 1, 37, 26. गमनं दृष्टकं प्रति 3, 13, 11. दृष्टकारण्य 4, 3, 16, 28. PĀKĀT. 73, 11, 99, 19. ÇĀK. 18, 22. ÇRUT. (Br.) 5. प्रागतृरितगमनात् (परभूतानाम्) ÇĀK. 118. *Marsch* AK. 2, 8, 2, 63. H. 789. *das Kommen*: कुतश्च गमनं तव Hip. 4, 27. wofür MBu. 1, 6009 richtiger आगमनं gelesen wird. — 2) *das Gehen zu einer Frau, Beirohnen*: स्त्री PĀR. GĠR. 2, 4. R. 3, 13, 6. अगम्या SUCR. 1, 192, 8. — 3) *das Eingehen in einen Zustand*: संसार M. 1, 1, 17. पञ्च R. 5, 15, 48. — 4) *das Erreichen* und 5) *Weg, Möglichkeit*: अतरतो गतो मन्ये सीतामादाय रानसः । न तस्या गमने (तस्यागमने?) तौम्य गमनं चैव लक्ष्यते ॥ R. 3, 68, 50.

गमनवत् (von गमन) *adj. mit einer Bewegung versehen*: प्राणो प्रागगमनवान् *vorwärts* VEDĀNTAS. 30.

गमनीय *adj.* 1) (von 1. गम्) *eundum*: तया गमनीयम् VOP. 26, 25. *zugänglich, erreichbar*: गमनीयो भविष्यामि शत्रूणाम् MBu. 3, 17189. यदा तु परबलानां गमनीयतमो भवेत् M. 7, 174. im Prākṛit ÇĀK. 13, 9. — 2) (von गमन) *auf das Gehen u. s. w. bezüglich*: गुरुस्त्रीगमनीय *auf den Beischlaf mit der Frau des Lehrers bezüglich, darin bestehend*: पापम् M. 11, 102, 169.

गमयितृ (vom caus. von 1. गम्) *nom. ag. ein Führer zu*: ब्रह्मगमयितृवेन WIND. SANCARA 90.

गमयितव्य (wie eben) *adj. zu verbringen*: कथं नु रात्रिर्गमयितव्या VIKR. 45.

गमात्र (ग + मात्र) *eine best. Zahl* VJUTP. 182.

गमिन् (von 1. गम्) *adj. zu gehen beabsichtigend* P. 3, 3, 3. UṆ. 4, 6. ग्रामं गमो P. 2, 3, 70, Sch. 3, 3, 3, Sch. ग्राम P. 2, 1, 24, VĀRTT.

गमिष्ठ (von गम) *superl. zu गतृ*: प्रत्यवर्ति गमिष्ठा RV. 1, 118, 3. 5, 76, 2. समदः AV. 5, 20, 12.

गम्बु, गम्बति *gehen* KAVIKALPADR. im ÇKDR.

गम्भन् (von गम्भ = गम्भ्) n. *Tiefe, Grund*: अयाम् VS. 13, 30. — Vgl. गम्बन्, गम्भीर, गम्भीर.